an>

Title: Need to enact the Seeds Bill, 2004 and take suitable measures for conservation of indigenous seeds.

**श्री सत्यपाल सिंह (सम्भल) :** मैं सरकार का ध्यान हाईब्रिड बीजों से भरे पटे बाजारों की ओर आकृÂट कराना चाहता हूं जहां देशी परंपरागत बीज विलुप्त होते जा रहे हैं। किसानों को अपने अन्न, सब्जी और फलों के लिए हाईब्रिड विदेशी बीज ही खरीदना पड़ता है और यह बीज किसान स्वयं अपने खेत में पैदा नहीं कर सकता जिस कारण किसान को हर फसल के लिए बीज खरीदने के सिवा कोई विकल्प नहीं है। यह बीज काफी महंगा होता है जिस कारण किसान को सब्जी या अन्य उत्पादन में लागत मूल्य काफी बढ़ जाता है। इस स्थिति में भी किसान को सही प्रमाणित बीज भी नहीं मिल पाता है। कभी-कभी बीज खराब या फेल भी हो जाता है और फसल बेकार हो जाती है जिसके कारण किसान की मेहनत, परिश्रम, खेत की जुताई, पानी बेकार चला जाता है और किसान बीज महंगा होने के कारण पुनः बीज खरीदने की स्थिति में नहीं रह पाता। बीज फेल होने के कारण सब्जी कृÂिा का कार्य और लगातार घाटे का सौदा होता जा रहा है। बाजार में दुकानदार कंपनी का फर्जी पैंकिंग कर नकली बीज बिना प्रमाणित सख्त कानून न होने के कारण खुले आम बेच रहे हैं। किसान अपना परंपरागत देशी बीज अपने खेत में स्वयं अगली फसल के लिए पैदा कर लेता था और ज्यादा होने पर उसे बीज के रूप में अन्य को बेच भी देता था जिससे किसानों को हर फसल के लिए बीज खरीदना नहीं पड़ता था और किसानों को अपना बीज होने के कारण, बीज खराब या फेल होने की संभावना नहीं रहती थी। देशी बीज के द्वारा उत्पादित अन्न, सब्जी, फल आदि में स्वाद भी होता है और शरीद को ऊर्जा भी ज्यादा मिलती है। विदेशी हाईब्रिड के द्वारा उत्पादित अन्न, फल, सब्जी आदि में न तो स्वाद ही होता है और न ही शरीर को उचित मात्रा में ऊर्जा मिलती है, केवल पेट ही भरता है।

अतः सरकार से प्रार्थना है कि किसानों और स्वास्थ्य की चिंता करते हुए विलुप्त होती जा रही परंपरागत देशी बीज के संरक्षण के लिए कोई ठोस व्यवस्था की जाए और सन् 2004 से लंबित बीज विधेयक को सदन में ऐसा बीज विधेयक लाकर जिसमें सख्त कानून का प्रावधान हो जिससे किसानों को फर्जी, नकली बीज देकर विक्रेता द्वारा ठगा न जा सके, बीज फेल या खराब निकलने पर किसान की मेहनत, जुताई, पानी, खाद आदि की भी भरपाई हो सके।